HINDI

Paper III

हिंदी

प्रश्नपत्र III

Time Allowed : 2½ Hours] **[Maximum Marks : 200**

अनुभाग-I

सूचना : निम्नलिखित विषयों पर लगभग **पाँच-पाँच सौ** शब्दों में निबंध लिखिए। प्रत्येक निबंध के लिए **बीस** अंक निर्धारित हैं ।

1. भारतीय नागरिक : स्वतंत्र या स्वेच्छाचारी ?

अथवा

प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग : विकास की सही राह।

2. भारतीय टेलीविजन द्वारा प्रसारित धारावाहिक : कितने यथार्थ, कितने बाजारू ?

अथवा

महाशक्ति के रूप में भारत का भविष्य।

अनुभाग-II

सूचना : इस अनुभाग में कुल **छः** (ऐच्छिक) खंड हैं। किसी एक ही खंड के **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **पंद्रह** अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ** शब्दों में लिखिए।

ऐच्छिक खंड-I

3. हिंदी भक्तिकाव्य के प्रमुख प्रभेदों का परिचय दीजिए।
4. कबीर और तुलसी के राम संबंधी विचारों का अंतर स्पष्ट कीजिए।
5. 'पद्मावत' में चित्रित लोक-तत्व की विवेचना कीजिए।

ऐच्छिक खंड-II

3. छायावादी काव्य में व्यक्त राष्ट्रीय चेतना का आकलन कीजिए।
4. 'कामायनी' में निहित आधुनिक संदर्भों की व्याख्या कीजिए।
5. निराला की प्रगतिशील चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

ऐच्छिक खंड-III

3. प्रेमचंदपूर्व हिंदी उपन्यास की उपलब्धियों तथा सीमाओं का विवेचन कीजिए।
4. ''गोदान' मोहभंग की कथा है।'' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ?
5. हिंदी कहानी के विभिन्न आंदोलनों का औचित्य स्पष्ट कीजिए।

ऐच्छिक खंड-IV

3. काव्य-लक्षण के संबंध में प्रमुख संस्कृत आचार्यों के मत-मतांतरों पर प्रकाश डालिए।
4. 'ध्वनि सिद्धांत रस सिद्धांत की पुष्टि ही नहीं करता, प्रत्युत् विस्तार भी करता है।' सतर्क समीक्षा कीजिए।
5. रस निष्पत्ति की प्रक्रिया के संबंध में प्रमुख मतों का परिचय दीजिए।

ऐच्छिक खंड-V

3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल के आलोचनात्मक प्रतिमानों का विवेचन कीजिए।
4. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की सांस्कृतिक समीक्षा का स्वरूप विवेचित कीजिए।
5. समकालीन हिंदी आलोचना की प्रमुख पद्धतियों पर प्रकाश डालिए।

ऐच्छिक खंड-VI

3. प्लेटो और अरस्तू के अनुकरण सिद्धांत का तुलनात्मक विवेचन कीजिए।
4. आई. ए. रिचर्ड्स के मूल्य-सिद्धांत की समीक्षा कीजिए।
5. संरचनावाद की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

3.

4.

5.

अनुभाग-III

सूनचा : इस अनुभाग में कुल **नौ** प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए **दस** अंक हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास** शब्दों में लिखिए।

6. हिंदी के प्रमुख सिद्ध कवियों और उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए।

7. केशव रचित लक्षण ग्रंथों का वर्गीकृत परिचय दीजिए।

8. हिंदी पुनर्जागरण की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

9. द्वंद्वात्मक भौतिकवाद की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

10. 'अंधेर नगरी' शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

11. 'रस-ध्वनि' किसे कहते हैं ?

12. काव्य में उदात्त तत्व की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

13. दीपक दीया तेल भरि बाती दई अघट्ट।
पूरा किया बिसाहुणा बहुरि न आवौं हट्ट ॥
उपर्युक्त साखी में 'बिसाहुणा' और 'हट्ट' का क्या गूढ़ार्थ है ?

14. 'होरी और मेहता का समन्वित रूप है प्रेमचंद का व्यक्तित्व।' इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ?

अनुभाग-IV

सूचना : निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए। इस पर आधारित **पाँच** प्रश्न दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस** शब्दों में देना है। प्रत्येक प्रश्न के लिए **पाँच** अंक हैं।

शायद मृत्यु का ज्ञान और जीवन की कामना एक ही चीज है। यह बहुत बार सुनने में आता है कि जीना वही जानता है, जो मरना जानता है। यह नहीं सुना जाता कि जीवन सबसे अधिक प्यारा उसको होता है, जो मरना जानता है, पर है यह भी ध्रुव सत्य। लोग समझते हैं कि जो जीवन को प्यार करते हैं, वे मृत्यु से डरते हैं। बिल्कुल गलत ! जो मृत्यु से डरते हैं वे जीवन से प्यार कर ही नहीं सकते; क्योंकि जीवन में उन्हें क्षण-भर भी शांति नहीं मिल सकती। जीवन प्यारा है या नहीं, इसकी कसौटी यही है कि उसे बिना खेद के लुटा दिया जाए; क्योंकि विराट प्रेम मौन ही हो सकता है। जो अपना प्यार कह सकते हैं, उनका प्यार ओछा है.....मृत्यु के भटके हुए उदास पैर द्वार-द्वार पर जाते हैं, और यौवन मुरझा जाता है, और जीवन घुल जाता है, और वेदना है अनंत.....एक नीरवता का क्षण आता है; जिनमें उन श्याम पंखों की उड़ान का रव सुन पड़ता है, जिन्हें देखना सो जाना है.....हर कोई ऊँघता है और सो जाता है, हर व्यक्ति और हर वस्तु; केवल यह तृप्त न होने वाली भूख, यह किसी चरम ध्येय की पागल माँग, यह मुक्ति का विवश आकर्षण, यह नहीं बस होता।

मृत्यु के पंख उस पर से बीत जाते हैं; लेकिन उनकी छाया उसे नहीं ग्रसती, वैसा ही उद्दीप्त छोड़ जाती है.....मृत्यु के पंखों में बसा है अनंत निशीथ का अंधकार, लेकिन मुक्ति है एक देदीप्यमान ज्वाला.....लेकिन मैं मरना नहीं चाहता। मैं दीवारों से कहता हूँ, मैं सीखचों से कहता हूँ, मैं हवा से कहता हूँ, मैं सुननेवाली न सुनती हुई हृदयहीन उपेक्षा से कहता हूँ, मैं मरना नहीं चाहता, मैं जीवन को प्यार करता हूँ, मैं मरना नहीं चाहता।

15. 'मृत्यु के पंखों में बसा है अनंत निशीथ का अंधकार'—व्याख्या कीजिए।

16. 'विराट प्रेम मौन ही हो सकता है' से क्या तात्पर्य है ?

17. लेखक मरना क्यों नहीं चाहता है?

18. प्रस्तुत अनुच्छेद में किन-किन विषयों पर मुख्य रूप से चिंतन किया गया है ?

19. इस परिच्छेद में व्यंजित मृत्यु की अवधारणा स्पष्ट कीजिए।

ROUGH WORK

ROUGH WORK

ROUGH WORK

ROUGH WORK

ROUGH WORK

ROUGH WORK